अकारान्त पुल्लिग शब्दः

राम (शब्द रूप)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	रामः	रामौ	रामाः
द्वितीया	रामश्	रामौ	रामान्
तृतीया	रामेण	रामाभ्याम्	रामैः
चतुर्थी	रामाय	रामाभ्याम्	रामभ्यः
पंचमी	रामात्	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
षष्ठी	रामस्य	रामयोः	रामाणाम्
सप्तमी	रामे	रामयोः	रामेषु
संबोधन	हे राम!	हे रामौ	हे रामाः

बालक (अकारान्त पुंल्लिग)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	बालकः	बालकौ	बालकाः
द्वितीया	बालकम्	बालकौ	बालकान
तृतीया	बालकेन	बालकाभ्याम्	बालकैः
चतुर्थी	बालकाय	बालकाभ्याम्	बालकेभ्यः
पंचमी	बालकात्	बालकाभ्याम्	बालकेभ्यः
षष्ठी	बालकस्य	बालकयोः	बालकानाम्
सप्तमी	बालके	बालकयोः	बालकेषु
संबोधन	हे बालक	हे बालकौ	हे बालकाः

आकारान्त स्त्रीलिंग

लता (नेल)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	लता	लते	लताः
द्वितीया	लताय	लते	लताः
तृतीया	लतया	लताभ्याम्	लताभिः
चतुर्थी	लतायै	लताभ्याम्	लताभ्यः
पंचमी	लतायाः	लताभ्याम्	लताभ्यः
षष्ठी	लतायाः	लतयोः	लतानाम्
सप्तमी	लतायाम्	लतयोः	लतासु
संबोधन	हे लता!	हे लते!	हे लताः!

बालिका

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	बालिका	बालिके	बालिकाः
द्वितीया	बालिकाम्	बालिके	बालिकाः
तृतीया	बालिकया	बालिकाभ्याम्	बालिकाभिः
चतुर्थी	बालिकायै	बालिकाभ्याम्	बालिकाभ्यः
पंचमी	बालिकायाः	बालिकाभ्याम्	बालिकाभ्यः
षष्ठी	बालिकायाः	बालिकयोः	बालिकानाम्
सप्तमी	बालिकायाम्	बालिकायोः	बालिकासु
संबोधन	हे बालिके!	हे बालिके!	हे बालिकाः

फल–फल (अकारान्त नपुंसकलिंग)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	फलम्	फले	फलानि
द्वितीया	फलम्	फले	फलानि
तृतीया	फलेन	फलाभ्याम्	फलैः
चतुर्थी	फलाय	फलाभ्याम्	फलेभ्यः
पंचमी	फलात्	फलाभ्याम्	फलेभ्यः
षष्ठी	फलस्य	फलयोः	फलानाम्
सप्तमी	फले	फलयोः	फलेषु
संबोधन	हे फल!	हे फले!	हे फलानि

पुस्तक (किताब)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि
द्वितीया	पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि
तृतीया	पुस्तकेन	पुस्ताकाभ्याम्	पुस्तकैः
चतुर्थी	पुस्तकाय	पुस्तकाभ्याम्	पुस्तकेभ्यः
पंचमी	पुस्तकात्	पुस्तकाभ्याम्	पुस्तकेभ्यः
षष्ठी	पुस्तकस्य	पुस्तकयोः	पुस्तकानाम्
सप्तमी	पुस्तके	पुस्तकयोः	पुस्तकेषु
संबोधन	हे पुस्तक!	हे पुस्तके!	हे पुस्तकानि

तत् – वह (पुल्लिंग)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	तः	तौ	ते
द्वितीया	तम्	तौ	तान्
तृतीया	तेन	ताभ्याम्	तैः
चतुर्थी	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पंचमी	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
षष्ठी	तस्य	तयोः	तेषाम्
सप्तमी	तस्मिन्	तयोः	तेषु

तत् – वह (पुल्लिंग)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	सः	तौ	ते
द्वितीया	तम्	तौ	तान्
तृतीया	तेन	ताभ्याम्	तैः
चतुर्थी	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पंचमी	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
षष्ठी	तस्य	तयोः	तेषाम्
सप्तमी	तस्मिन्	तयोः	तेषु

तत् – वह (स्त्रीलिंग)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	सा	ते	ताः
द्वितीया	ताम्	ते	ताः
तृतीया	तया	ताभ्याम्	ताभिः
चतुर्थी	तस्यै	ताभ्याम्	ताभ्यः
पंचमी	तस्याः	ताभ्याम्	ताभ्यः
षष्ठी	तस्याः	तयोः	तासाम्
सप्तमी	तस्याम्	तयोः	तासु

1. जून के अंतिम सप्ताक में बच्चों का वर्त्तनी जाँच होगा, क्योंकि ग्रीष्मावकाश में बच्चों को कोई भी एक उपन्यास पढ़ना है और उसमें आये हुए कठिन शब्दों को लिखकर शब्दकोश बनाना है। लिखे गये शब्दकोश की जाँच वर्ग में की जायेंगी। यह कार्य हिन्दी कॉपी में की जायेगी।

2. प्रतिदिन एक पेज सुलेख लिखें।
   (एक पतली कॉपी में)

अनौपचारिक पत्र

1. जन्मदिन की बधाई देते हुए मित्र को पत्र ।

बी, 469, सेक्टर–2

रोहिणी,

नई दिल्ली।

6 जून, 2022

प्रिय रोहित,

स्नेह नमस्ते।

जन्मदिन बहुत–बहुत मुबारक। कल ही तुम्हारा निमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ। धन्यवाद! 9 जून को तुम्हारा जन्मदिन है और उसी दिन से हमारी परीक्षाएँ प्रारंभ हो रही हैं यह दिन तुम्हारे लिए ही नहीं हमलोंगों के लिए भी हर्ष का दिन होता हैं परीक्षाएँ प्रारंभ हो रही है इसलिए विवशता समझकर तुम मुझे क्षमा कर दोगे।

तुम सदा प्रसन्न रहो मेरी यही प्रार्थना है।

शेष मिलने पर।

तुम्हारा मित्र

शैलेश

2. **संवाद लेखन**

अपने प्रिय खेल के बारे में में दो मित्रों की बातचीत

राम– श्याम कहॉ से आ रहे हो?

श्याम– क्रिकेट खेल कर।

राम– ओ ये मेरा भी पंसदीदा खेल है।

श्याम– चलो, कल से हमलोग साथ खेलते है, कल कितने बजे तक खेल के मैदान में पहुँच जाओंगे। देखते है कोशिश करेंगे शाम चार बजे तक। ठीक है मैं तुम्हारा इंतजार करूँगा।

राम– शाम चार बजे खेल के मैदान में राम पहुँचता है दोनों मिलकर खेलते है शाम छः तक खेलकर दोनों एक दूसरे को अलविदा कहता है।

3. **संवाद लेखन**

साइकिल मँगवाने के लिए पुत्र और पिता के बीच संवाद

पुत्र– पिताजी जी, मुझे साइकिल चाहिए।

पिता– देखो, इसके लिए तुम्हे कुछ करना होगा।

पुत्र– बोलिए पिताजी, मुझे क्या कराना होगा।

पिता– तुम्हें वार्षिक परीक्षा में प्रथम आना होगा।

पुत्र– ठीक है पिताजी। प्रथम आने के लिए मैं दिन रात एक कर दूँगा।

पिता– शाबाश बेटा मुझे तुमसे यही आशा थी।

4. **सूचना लेखन**

आवश्यक सूचना

सभी विधार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक–25.06.22 से हमारे विधालय में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक विधार्थी 24.06.22 तक कोच कंचन सिंह से संपर्क करें।

प्रधानाचार्या

सादिया एवं

(हस्ताक्षर)

22.04.22

5. **अपठित काथांश**

संकटों से वीर घवराते नहीं,
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं, लग गए जिस काम में,
पूरा किया, काम करके व्यर्थ पछतते नहीं,
हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,
कर्मवीरों को न इससे वास्ता।
बढ चले तो अंत तक बढ़ ही चलें,
कठिनतर गिरि क्षृंग ऊपर चढ चलें।

प्रश्न– किससे वीर घवराते नहीं?

प्रश्न– किनके लिए रास्ता कठिन हो या सरल कोई मतलव नहीं?

प्रश्न– काव्यांश का सही शीर्षक बताओ।

प्रश्न– सरल का विलोम शब्द बताएँ।

Class-I & II

अनुच्छेद लेखन

गाय एक चौपाया जानवर है। इसके चार पैर, दो आँख, दो कान और एक पूँछ होती है। गाय को गौ माता कहते है। गाय हमें दूध देती है इसके दूध से घी, मक्खन, पनीर और मिठाइयाँ बनती है। गाय के गोबर खाद् के काम आते है। गाय एक उपयोगी पशु है।

Class-IV & V

अनुच्छेद लेखन

नीचे लिखे गद्यांश को पढ़े और दिए गए प्रश्नों को उत्तर दीजिए :–

अपने व्यवहार से कभी किसी का दिल न दुखाने वाले बालक ही अच्छे बालक होते है। ऐसे बालक सदाचारी, आज्ञाकारी, ईमानदार और विश्वासी होते है। सुबह खुशी–खुशी उठकर वे भगवान का ध्यान करते है। माता–पिता के चरण स्पर्श करते है। ऐसे बच्चे घर में जहाँ माता–पिता के प्रिय होते है वही विधालय में अध्यापक और सहपाठियों के भी प्रिय होते है। ऐसे बच्चे को हम सभी प्यार करते है।

प्रश्न– अच्छे बालक कैसे होते है?

प्रश्न– क्या आज्ञाकारी बच्चे सभी को प्रिय होते है?

प्रश्न– सुबह का विलोम लिखिए।

प्रश्न– घर का समानार्थक लिखो।

प्रश्न– उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक बताइए।

अपठित गद्यांश

नीचे लिखे गदृयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और निचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

आज का मानव यह बात भूल गया है कि उसके द्वारा ली जाने हर साँस पेड़ों की ही देन है। अगर वे पेड़ न होते तो इस धरती पर जीवन भी नहीं होता है, क्योंकि यही पेड़ कार्बन–डाई–ऑक्साइड लेकर बदले में हमें ऑक्सीजन देते है। ऑक्सीजन ही प्राणवायु है, जिससे सभी प्राणियों में प्राणों का संचार हो रहा है। पेड़ो का जीवन संतो के समान है। ये अपने फल–फूल लकड़ी आदि सभी कुछ मानव को दे देते है।

1. हमारी हर साँस किनकी देन है ?
2. अगर पेड़ न होते, तो क्या होता ?
3. 'ऑक्सीजन' को और क्या होते है ?
4. उपर्युक्त गदृयांश का शीर्षक बताइए ?
5. मानव का पर्यायवाची लिखें ?
6. जीवन का विलोम लिखें ?

Class-III & IV

ग्रीष्मऋतु

ग्रीष्मऋतु का मतलब गरमी का मौसम होता है। भारत में छः ऋतुएँ होती है जिसमें ग्रीष्म ऋतु भी एक है। ग्रीष्मऋतु में हम गरमी का आनंद लेते हे इस ऋतु में पाये जाने फल आम जो फलों का राजा है उसके अलावा तरबूज, खीरा, खरबूजा लीची इत्यादि फल भी मिलता है। इस ऋतु में चलने वाली गर्म हवा लू जिससे हम मनुष्यों को बचना चाहिए इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी पीना चाहिए। लू लगने के कारण मनुष्य को तेज बुखार हो जाता है। इन सब बातों का अगर ध्यान रखा जाय तो हम ग्रीष्मऋतु का आनंद ले पाते है।

डायरी लेखन

6 जून 2020

दिन–

समय–

आज मेरे सबसे अच्छे मित्र का जन्मदिन था। वह मेरे घर आई थी। मैं उसके लिए एक केक लेकर आई और हमलोग व मिलकर केक काटा और खाया और फिर हमलोगो ने जमकर मौज मस्ती की ऐसा करते करते शाम हो गई। यह पूरा दिन कैसे बीता पता नहीं चला उसके बाद हमलोग काफी थक गये थे। अतः एक दुसरे को शुभ रात्रि कहकर अपने अपने घर के लिए प्रस्थान कर गये।